बजट अनुमान 2013-2014

वर्ष 2013-14 का बजट अनुमान संशोधित अनुमानों पर ₹ 2,34,472 करोड़ की निवल वृद्धि को दर्शाता है। आयोजना-भिन्न व्यय ने ₹ 1,08,337 करोड़ की वृद्धि दर्शायी है जबकि आयोजना व्यय में ₹ 1,26,135 करोड़ की वृद्धि रही है। अन्तर के लिए प्रमुख मदें नीचे दर्शायी गई हैं:

(करोड़ रुपए)

		संशोधित 2012-13	बजट 2013-14	घट-बढ़ कमी(-)/ वृद्धि(+)
आयोजना-भिन्न				
1.	ब्याज भुगतान एवं ऋण चुकाना	316674	370684	(+) 54010
2.	रक्षा सेवा व्यय	178504	203672	(+) 25168
3.	पूंजी परिव्यय (रक्षा को छोड़कर)	8102	30131	(+) 22029
4.	राज्य सरकारों को अनुदान	57023	76105	(+) 19082
5.	पेंशन	63836	70726	(+) 6890
6.	खाद्य सब्सिडी	85000	90000	(+) 5000
7.	पुलिस	37131	40895	(+) 3764
8.	विदेशी सरकारों को अनुदान	3229	4144	(+) 915
9.	परिवहन	2607	3541	(+) 934
10.	पेट्रोलियम सब्सिडी	96880	65000	(-) 31880
11.	अन्य आयोजना-भिन्न व्यय	152652	155077	(+) 2425
जोड़ आयोजना-भिन्न व्यय		**1001638**	**1109975**	(+) **108337**
आयोजना				
1.	केन्द्रीय आयोजना	317185	419068	(+)101883
2.	राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की आयोजनाओं के लिए केन्द्रीय सहायता	112002	136254	(+) 24252
जोड़ (आयोजना) व्यय		**429187**	**555322**	**(+)126135**
जोड़ व्यय (आयोजना+आयोजना भिन्न)		**1430825**	**1665297**	**(+)234472**

आयोजना-भिन्न

1. वृद्धि मुख्यतया बाजार ऋणों पर ब्याज भुगतानों, कैश मैनेजमेंट बिलों पर छूट, राजकोषीय हुंडियों, बाजार स्थिरीकरण स्कीम तथा पीएलआई को निर्गिमत विशेष बान्डों पर ब्याज भुगतान की अधिक मांग के कारण रही।
2. वृद्धि रक्षा सेवाओं द्वारा पूंजी व्यय के अन्तर्गत उच्च मांग के कारण रही।
3. वृद्धि अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में उच्च निवेश के कारण रही।
4. वृद्धि अधिकांशतः स्थानीय निकायों हेतु अनुदानों, सड़कों तथा पुलों के रख-रखाव हेतु अनुदानों और राज्यगत विशिष्ट जरूरतों के कारण रही।
5. वृद्धि रक्षा मंत्रालय द्वारा पेंशनीय भुगतानों से सम्बधित उच्च मांगों के कारण रही।
6. वृद्धि मुख्यतः राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा हेतु प्रावधान किए जाने के कारण रही।
7. वृद्धि मुख्यतः आतंरिक सुरक्षा पर अतिरिक्त आवश्यकता के कारण रही।
8. वृद्धि मुख्यतः बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, म्यानमार को अधिक अनुदान तथा अफ्रीकी देशों को सहायता देने के कारण रही।
9. वृद्धि मुख्यतः राष्ट्रीय राजमार्गों के लेखागत अनुरक्षण तथा रेलवे को मुहैया कराई गई सब्सिडी के कारण रही।
10. घटोत्तरी मुख्यतः वसूली के अन्तर्गत तेल कम्पनियों को दी जाने वाली प्रतिपूर्ति की कम आवश्यकता के कारण रही।

आयोजना

1. समग्र वृद्धि कृषि, परमाणु ऊर्जा, संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी, पेयजल एवं स्वच्छता, विदेश, वित्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गृह, मानव संसाधन विकास, अल्पसंख्यक, योजना, विद्युत, सड़क परिवहन और राजमार्ग, ग्रामीण विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पोत परिवहन, अंतरिक्ष, जनजातीय कार्य, जल संसाधन, महिला एवं बाल कल्याण तथा रेलवे को बढ़े हुए योजना आबंटन के कारण रही।
2. समग्र वृद्धि सामान्य केन्द्रीय सहायता, त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष, जवाहार लाल नेहरु राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना तथा संघशासित योजनाओं में वृद्धि के कारण रही।